

288
24

पुत्रावली यहाँ वही वही लवाही व वाही
आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज लगाए
बावबूह भी वही लवाही व वाही न्यायालय में
होने पर वही कोर्ट पर वाही का वाह प्रथम
हाजरी अदम परकी में खारिज किया जाना है।
पुत्रावली कलल अगार हुगे कर नम्बर से कम
होकर हा खिल इफतर है।

